

**श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डे (गिरिडीह):** लगभग वर्ष 1985 में और करीब 25-30 वर्ष पूर्व झारखण्ड के हमारे संसदीय क्षेत्र में क्रमशः दामोदर रेल विपथन परियोजना और अंगवाली कोयला खदान का काम शुरू किया गया था। इन प्रत्येक परियोजना में करोड़ों राशि खर्च किये गये और हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराये गये, परन्तु इससे आम जनता एवं देश को कोई लाभ नहीं मिला। जनता एवं देश का राजस्व का भारी अपव्यय हुआ। इसके लिए जिम्मेवार कौन है? प्रश्न सरकार के समक्ष अनुत्तरित है। आज परियोजना की प्राक्कलन राशि में कई गुणा वृद्धि हो गई है और विकास बाधित है। अंगवाली कोयला खदान से सीसीएल द्वारा कोयला भी निकाला गया और विस्थापितों का मामला लम्बित है।

अतः सरकार दामोदर रेल विपथन परियोजना का लम्बित कार्य एवं सीसीएल/बीसीसीएल/ खासकर अंगवाली कोयला खदान को पुनः चालू करने हेतु शीघ्र एक समयबद्ध कार्यक्रम तैयार करे।